

Regarding railway line in Rampur

श्री मोहिबुल्लाह (रामपुर) : जनाब स्पीकर साहिबा, मैं आपका मशकूर हूँ। मैं आपके तवसुस से अपने जिले रामपुर की समस्याएं, जिनका मैंने जिक्र किया है, मज़ीद बयां करने जा रहा हूँ। इसको मैं पेश करता हूँ। रामपुर जिला हिन्दुस्तान की पहली ऐसी रियासत है, जिसने आजादी के बाद सबसे पहले मर्ज होने के लिए साइन किया था। आज आजादी के बाद वहां दो तहसीलें ऐसी हैं, जिनकी कनेक्टिविटी रेल और एक्सप्रेस-वे से नहीं है। वहां न कोई सरकारी मेडिकल कॉलेज है, न कोई एम्स है और न ही सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज है।

मैडम, मैं दो विषयों की तरफ विशेष ध्यान दिलाना चाहता हूँ। वहां तहसील शाहबाद और सवर है। अगर यहां से उत्तराखंड के लिए रेलवे लाइन निकाल दी जाए या आगरा एक्सप्रेसवे को उत्तराखंड के लिए जोड़ दिया जाए तो रामपुर की ये दो तहसीलें जुड़ जाएंगी। ये तहसीलें उन जगहों में से आती हैं, जो देश का सबसे पिछड़ा क्षेत्र है। वहां सैद नगर ब्लॉक है। अगर वह क्षेत्र जुड़ जाए तो इन दोनों तहसीलों की प्रगति और तरक्की होगी। ? (व्यवधान)

جناب محب اللہ (رامپور): ، میڈم میں آپ کا بہت مشکور ہوں، میں آپ کے توسل سے اپنے ضلع رامپور کے مسائل جن کا میں نے ذکر کیا ہے، مزید بیان کرنے جا رہا ہوں۔ اس کو میں پیش کرتا ہوں۔ رامپور ضلع ہندوستان کی پہلی ایسی ریاست ہے، جس نے آزادی کے بعد سب سے پہلے مرج ہونے کے لئے سائن کیا تھا۔ آج آزادی کے بعد وہاں دو تحصیلیں ایسی ہیں، جن کی کنٹیویٹی ریل اور ایکسپریس وے سے نہیں ہے۔ وہاں نہ کوئی سرکاری میڈیکل کالج ہے، نہ کوئی ایمس ہے اور نہ ہی سرکاری انجینئرنگ کالج ہے۔

میڈم، میں دو موضوع کی طرف خاص دھیان دلانا چاہتا ہوں۔ وہاں تحصیل شاہ آباد اور سور ہے، اگر یہاں سے اتراکھنڈ کے لئے ریلوے لائن نکال دی جائے یا اگر وہ ایکسپریس وے کو اتراکھنڈ کے لئے جوڑ دیا جائے تو رامپور کی یہ دو تحصیلیں جُڑ جائیں گی۔ یہ تحصیلیں ان جگہوں میں سے آتی ہیں، جو ملک کا سب سے پچھڑا علاقہ ہے۔ وہاں سید نگر بلاک ہے۔ اگر وہ علاقہ جُڑ جائے تو ان [دونوں تحصیلوں کی بہت ترقی ہوگی۔